नईदुनिया

भोपाल, 16 जुलाई 2026

खास-खबरें

डॉलर के मुकाबले रुपया फिर नौ पैसे कमजोर हुआ

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः अंतरबैंक मुद्रा बाजार में बुधवार को डॉलर की मांग बढ़ने से भारतीय रुपया नौ पैसे कमजोर होकर 96.25 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस में रुपया 96.16 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बुधवार को रुपये की शुरुआत 96.12 रुपये प्रति डॉलर पर हुई और शुरुआती कारोबार में यह 96.05 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। बाद में डॉलर की मांग बढ़ने से रुपया फिसलकर 96.35 रुपये प्रति डॉलर तक पहुंच गया और अंत में 96.25 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबारियों के अनुसार डॉलर की बढ़ती मांग से रुपये पर दबाव बना रहा।

वित्त मंत्री ने बैंकों से प्रवासी भारतीयों तक पहुंच बढ़ाने का आह्वान किया

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों के प्रबंध निदेशकों तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रवासी भारतीयों से विदेशी मुद्रा जमा बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। उन्होंने बैंकों से प्रवासी भारतीयों तक अपनी पहुंच और मजबूत करने, नए प्रकार की जमा योजनाएं शुरू करने तथा निर्धारित अवधि तक धन जुटाने की गति बनाए रखने का आह्वान किया।

बैठक में विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमा, बाह्य वाणिज्यिक उधार तथा विदेशी मुद्रा उधार अदला-बदली से संबंधित पहलों की समीक्षा की गई। बैठक में वित्तीय सेवा विभाग, आर्थिक कार्य विभाग, राजस्व विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। वित्त मंत्रालय के अनुसार वित्त मंत्री ने बैंकों की प्रारंभिक प्रगति की सराहना करते हुए गुजरात के गिफ्ट सिटी में उपलब्ध वित्तीय सेवाओं और संस्थागत ढांचे का अधिकतम उपयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाने, देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने तथा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाहरी क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में इन पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बैठक में बैंक अधिकारियों ने बताया कि भारतीय प्रवासियों की ओर से इन योजनाओं को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमा योजनाओं पर आकर्षक प्रतिफल दिए जाने से जमा राशि में तेजी आई है। साथ ही नई जमाओं पर ब्याज दर की सीमा हटाए जाने से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बैंक अधिकारियों ने बताया कि सिंगापुर, हांगकांग, पश्चिम एशिया, ब्रिटेन, अमेरिका तथा अन्य देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों की ओर से अच्छी रुचि दिखाई जा रही है। प्रवासी भारतीयों से संपर्क बढ़ाने के लिए डिजिटल माध्यमों सहित विशेष रणनीतियां अपनाई गई हैं। बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के उप-गवर्नर ने भी आश्वस्त किया कि केंद्रीय बैंक इन योजनाओं के प्रभावी संचालन और धन जुटाने की प्रक्रिया में बैंकों को निरंतर सहयोग प्रदान करता रहेगा।

स्कोडा ने गुजरात में तीन नए बिक्री एवं सेवा केंद्र शुरू किए

नईदुनिया ब्यूरो, अहमदाबादः स्कोडा ऑटो इंडिया ने गुजरात में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए अहमदाबाद और हिम्मतनगर में तीन नए बिक्री एवं सेवा केंद्रों का शुभारंभ किया है। कंपनी ने बताया कि पश्चिम भारत में अपनी मौजूदगी मजबूत करने के उद्देश्य से पीपीएस मोटर्स के सहयोग से इन केंद्रों की स्थापना की गई है। इनमें नारोडा में नया बिक्री एवं सेवा केंद्र, मणिनगर में नया प्रदर्शन कक्ष तथा हिम्मतनगर में बिक्री, सेवा और पुर्जों की सुविधा वाला केंद्र शामिल है। अहमदाबाद के नारोडा स्थित बिक्री एवं सेवा केंद्र का क्षेत्रफल 26,700 वर्ग फुट है। यहां छह कारों के प्रदर्शन की व्यवस्था, 19 सेवा कक्ष तथा त्वरित रखरखाव और मरम्मत की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मणिनगर स्थित प्रदर्शन कक्ष 4,800 वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित किया गया है, जहां सात कारों के प्रदर्शन की क्षमता है। वहीं हिम्मतनगर का नया केंद्र 10,600 वर्ग फुट क्षेत्र में स्थापित किया गया है, जहां चार कारों के प्रदर्शन के साथ चार सेवा कक्ष भी बनाए गए हैं। कंपनी के अनुसार सभी नए केंद्र आधुनिक वैश्विक निर्माण अवधारणा के अनुरूप विकसित किए गए हैं। इन केंद्रों के शुरू होने के बाद गुजरात के 16 शहरों में स्कोडा ऑटो इंडिया के ग्राहक संपर्क केंद्रों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। इनमें अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, वापी, गांधीनगर, आनंद, भरूच, भावनगर, गांधीधाम, हिम्मतनगर, जामनगर, जूनागढ़, मेहसाणा, मोरबी और नवसारी शामिल हैं।

आयात शुल्क में कमी से कई उत्पाद सस्ते होंगे, भारतीय निर्यात को मिलेगा बड़ा प्रोत्साहन

भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता लागू हुआ

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता बुधवार से लागू हो गया। इसके लागू होने के साथ ही भारत के 99 प्रतिशत उत्पाद ब्रिटेन में शून्य आयात शुल्क पर निर्यात किए जा सकेंगे, जबकि ब्रिटेन के 99 प्रतिशत उत्पाद औसतन तीन प्रतिशत आयात शुल्क पर भारत में आ सकेंगे। इससे वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार के दोगुना होकर 120 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की गई है।

करीब साढ़े तीन वर्ष तक चली 14 दौर की वार्ता के बाद 24 जुलाई 2025 को दोनों देशों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। समझौता लागू होने से पहले भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने इसे दोनों देशों की आधुनिक साझेदारी के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि इससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं में विकास के नए अवसर खुलेंगे।

समझौते के तहत ब्रिटेन से आयात होने वाले उत्पादों पर औसत आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत रह जाएगा। अगले दस वर्षों में 85 प्रतिशत उत्पाद पूरी तरह शुल्कमुक्त हो जाएंगे। इससे स्कॉच व्हिस्की, जिन, लग्जरी कारें, खाद्य एवं पेय पदार्थ, प्रसाधन सामग्री, चिकित्सकीय उपकरण, परिधान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, फर्नीचर तथा इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की कीमतों में कमी आने की संभावना है। स्कॉच व्हिस्की और जिन पर शुल्क 150 प्रतिशत से घटकर पहले 75 प्रतिशत तथा दसवें वर्ष तक 40 प्रतिशत रह जाएगा। वहीं ब्रिटेन से आने वाली लग्जरी कारों पर आयात शुल्क को कोटा व्यवस्था के तहत 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत तक किया जाएगा।

इस समझौते से भारत के वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा, अभियांत्रिकी, औषधि, रसायन, कृषि उत्पाद, चाय, मसाले तथा समुद्री उत्पाद क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है। ब्रिटेन ने भारतीय वस्त्रों, घरेलू वस्त्रों, आभूषणों, चमड़े के सामान, मशीनरी, अभियांत्रिकी उपकरणों और वाहन कलपुर्जों पर लगने वाला आयात शुल्क समाप्त कर दिया है। इससे भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे।

भारतीय औषधि कंपनियों को भी ब्रिटेन में सामान्य दवाओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया में सुविधा मिलेगी। वहीं कृषि रसायन, विशेष रसायन और प्लास्टिक उत्पादों के निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलेगा। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और विद्युत वाहनों के बुनियादी ढांचे में संयुक्त निवेश और तकनीकी सहयोग का मार्ग भी इस समझौते से प्रशस्त होगा।

सरकार का मानना है कि इस समझौते से भारतीय निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, श्रम आधारित क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को नए बाजार मिलेंगे तथा भारत और ब्रिटेन के बीच निवेश और व्यापारिक संबंधों को नई मजबूती मिलेगी।

घर बैठे मिलेगा रसोई गैस सिलेंडर

बेंगलुरु में मांग पर त्वरित आपूर्ति सेवा शुरू करेगी इंस्टामार्ट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के रसोई गैस उपभोक्ताओं को जल्द ही त्वरित व्यापार मंच इंस्टामार्ट के माध्यम से रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए इंस्टामार्ट ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड के साथ साझेदारी करते हुए मांग पर आपूर्ति सेवा शुरू करने की घोषणा की है। यह देश का पहला त्वरित व्यापार मंच होगा, जहां रसोई गैस सिलेंडर की मांग पर आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इस व्यवस्था के तहत उपभोक्ता इंस्टामार्ट के माध्यम से हिंदुस्तान पेट्रोलियम का 10 किलोग्राम क्षमता वाला 'एचपी नव्या' संयुक्त रसोई गैस सिलेंडर मंगा सकेंगे। कंपनी के अनुसार यह सिलेंडर हल्का, जंगरोधी और उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से युक्त है। इसकी पारदर्शी संरचना के कारण उपभोक्ता आसानी से गैस का स्तर देख सकते हैं। यह विशेष रूप से अपार्टमेंट में रहने वालों, छोटे परिवारों, विद्यार्थियों, कामकाजी लोगों तथा अतिरिक्त रसोई गैस सिलेंडर की आवश्यकता रखने वाले उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी होगा।

कंपनी ने बताया कि इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए पहले से घरेलू रसोई गैस कनेक्शन होना आवश्यक नहीं होगा। इससे विद्यार्थी, अविवाहित कामकाजी लोग तथा छोटे परिवार भी इस सेवा का लाभ आसानी से ले सकेंगे। कंपनी के अनुसार उपभोक्ता इंस्टामार्ट अनुप्रयोग के माध्यम से 10 किलोग्राम क्षमता वाले एचपी नव्या संयुक्त रसोई गैस सिलेंडर अथवा पांच किलोग्राम धातु निर्मित रसोई गैस सिलेंडर का चयन कर सकेंगे। पहली बार आदेश देने पर नया सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि बाद में पुनर्भरण के समय खाली हिंदुस्तान पेट्रोलियम सिलेंडर वापस करना होगा। सेवा की शुरुआत पहले चरण में बेंगलुरु से की जा रही है। सभी आदेश हिंदुस्तान पेट्रोलियम के अधिकृत वितरकों के माध्यम से पूरे किए जाएंगे तथा प्रशिक्षित कर्मी निर्धारित सुरक्षा और नियामकीय मानकों का पालन करते हुए आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। पहली बार सेवा लेने वाले उपभोक्ताओं के लिए पहचान सत्यापन और आपूर्ति प्रमाणन की प्रक्रिया भी अनिवार्य होगी।

बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने विकसित किया उन्नत अमोनिया पहचान उपकरण

कमरे के तापमान पर अत्यल्प मात्रा में भी अमोनिया गैस की पहचान करने में सक्षम नई तकनीक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने एक उन्नत अमोनिया पहचान प्रणाली विकसित की है, जो कमरे के सामान्य तापमान पर कार्य करते हुए अत्यल्प मात्रा में भी हानिकारक अमोनिया गैस का पता लगाने में सक्षम है। यह नई तकनीक कार्यस्थलों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अमोनिया का उपयोग उर्वरक निर्माण, शीतलन प्रणाली, रासायनिक उद्योग तथा कृषि सहित अनेक क्षेत्रों में व्यापक रूप से किया जाता है। इसके संपर्क में आने से आंखों, त्वचा और श्वसन तंत्र पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक संपर्क बने रहने पर स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसी कारण अमोनिया की निरंतर और विश्वसनीय निगरानी आवश्यक मानी जाती है।

इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थान सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज, बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने वैनेडियम ऑक्साइड और वैनेडियम सल्फाइड आधारित मिश्रित संरचना पर आधारित अत्यधिक संवेदनशील गैस पहचान उपकरण विकसित किया है। इस उपकरण को नियंत्रित सतही परिवर्तन प्रक्रिया के माध्यम से तैयार किया गया है, जिससे अमोनिया गैस को अवशोषित करने की क्षमता बढ़ी है और संकेतों का संचार अधिक प्रभावी हुआ है।

वैज्ञानिकों के अनुसार यह उपकरण अमोनिया की केवल 319 भाग प्रति अरब की अत्यल्प मात्रा का भी पता लगाने में सक्षम है, जो कार्यस्थलों के लिए निर्धारित सुरक्षा सीमा से काफी कम है। इसके अलावा यह अन्य सामान्य गैसों के बीच भी अमोनिया की सटीक पहचान करने, बार-बार उपयोग के बाद भी प्रभावी बने रहने तथा अलग-अलग सांद्रता में समान रूप से कार्य करने की क्षमता रखता है। कमरे के सामान्य तापमान पर संचालन होने से ऊर्जा की खपत भी कम होती है।

प्रोफेसर अंगप्पन सुब्रमण्यम के नेतृत्व में डॉ. विष्णु जी. नाथ, अंकुर वर्मा, अभिजीत पॉल तथा डॉ. सुभाष चेरुमन्निल करुमथिल की शोध टीम ने इस तकनीक को व्यवहारिक उपकरण का रूप भी दिया है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा पोर्टेबल निगरानी उपकरण तैयार किया है, जो अमोनिया की मात्रा निर्धारित सुरक्षा सीमा से अधिक होने पर तुरंत चेतावनी देता है। यह प्रणाली वातावरण को सुरक्षित, चेतावनी और खतरे की श्रेणियों में स्वत: विभाजित कर देती है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी घरेलू ब्रांड और पुर्जा निर्माण को मिलेगा प्रोत्साहन

मोबाइल विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 62,500 करोड़ की नई योजना

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में मोबाइल विनिर्माण तंत्र को और सुदृढ़ बनाने तथा भारतीय मोबाइल ब्रांडों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 62 हजार 500 करोड़ रुपये की मोबाइल फोन विनिर्माण योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृत यह योजना पांच वर्षों तक लागू रहेगी और वर्तमान वित्त वर्ष से प्रारंभ होकर वर्ष 2030-31 तक प्रभावी रहेगी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि योजना का उद्देश्य देश में मोबाइल उत्पादन बढ़ाना, घरेलू मूल्य संवर्धन का विस्तार करना, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाना तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति को सशक्त करना है। योजना के अंतर्गत भारत में निर्मित मोबाइल फोन की पात्र बिक्री पर 2.25 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रमुख पुर्जों एवं उप-संयोजन की घरेलू खरीद की शर्तें पूरी करने पर अधिकतम 1.5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा।

योजना में भारतीय मोबाइल ब्रांडों को विशेष प्रोत्साहन देने के लिए उत्पाद अभिकल्प, अनुसंधान तथा विकास के आधार पर पात्र बिक्री पर तीन प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन का भी प्रावधान किया गया है। सरकार का लक्ष्य भारतीय ब्रांडों को विकसित करना, तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ाना, अधिक आर्थिक मूल्य सृजित करना तथा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में भारतीय पेटेंट की संख्या बढ़ाना है।

सरकार के अनुसार वर्ष 2021 में शुरू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना ने भारत को मोबाइल निर्माण और निर्यात के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाई। इसकी अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है। वर्तमान योजना उसी दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सरकार का अनुमान है कि योजना की अवधि में देश में लगभग 39 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन का उत्पादन होगा तथा निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे लगभग 60 हजार प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। सरकार ने बताया कि वर्तमान में भारत उत्पादन की मात्रा के आधार पर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है। वर्ष 2025 में स्मार्टफोन देश का सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद बनकर उभरा। सरकार का कहना है कि नई योजना से भारत की वैश्विक इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र में स्थिति और अधिक मजबूत होगी तथा घरेलू उद्योग को नई गति मिलेगी।

यात्री वाहनों की बिक्री में चौबीस प्रतिशत की बढ़ोतरी

पहली तिमाही में भी रिकॉर्ड बिक्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की मांग बढ़ी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः देश में जून माह के दौरान यात्री वाहनों की घरेलू थोक बिक्री में 24.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में कुल तीन लाख 88 हजार 144 यात्री वाहनों की बिक्री हुई। इन आंकड़ों में कुछ लक्जरी वाहन कंपनियों की बिक्री शामिल नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, दोपहिया वाहनों की बिक्री 18.6 प्रतिशत बढ़कर 18 लाख 51 हजार 400 इकाई पर पहुंच गई। इनमें स्कूटरों की बिक्री सात लाख 44 हजार 823 तथा मोटरसाइकिलों की बिक्री 10 लाख 56 हजार 422 इकाई रही। वहीं, मोपेड की बिक्री में 50.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

तिपहिया वाहनों की बिक्री जून में 26.1 प्रतिशत बढ़कर 77 हजार 951 इकाई रही। यात्री परिवहन में उपयोग होने वाले तिपहिया वाहनों की बिक्री 25 प्रतिशत तथा माल ढुलाई में उपयोग होने वाले तिपहिया वाहनों की बिक्री 29.4 प्रतिशत बढ़ी। इस दौरान एक हजार 590 विद्युत रिक्शा और 352 विद्युत मालवाहक गाड़ियों की बिक्री भी हुई।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अप्रैल से जून के दौरान यात्री वाहनों की थोक बिक्री 25.9 प्रतिशत बढ़कर 12 लाख 73 हजार 811 इकाई रही, जो पहली तिमाही का अब तक का सर्वाधिक स्तर है। इस अवधि में उपयोगी वाहनों की बिक्री में 28.6 प्रतिशत तथा कारों की बिक्री में 21.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

बैंकिंग और वित्तीय शेयरों के दम पर बाजार में लौटी तेजी

सेंसेक्स 130 अंक चढ़ा, निफ्टी भी बढ़त के साथ बंद

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में हुई खरीदारी के बल पर घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी लौट आई। बंबई शेयर बाजार का संवेदनशील सूचकांक सेंसेक्स 130.49 अंक अर्थात 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,185.43 अंक पर बंद हुआ। वहीं राष्ट्रीय शेयर बाजार का निफ्टी-50 सूचकांक 26.45 अंक यानी 0.11 प्रतिशत चढ़कर 24,078.50 अंक पर पहुंच गया।

पिछले कारोबारी सत्र की गिरावट से उबरते हुए व्यापक बाजार में भी मजबूती देखने को मिली। निफ्टी मध्यम आकार की कंपनियों का सूचकांक 0.27 प्रतिशत तथा लघु आकार की कंपनियों का सूचकांक 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। बैंकिंग, वित्त, तेल एवं गैस, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, वाहन, औषधि, स्वास्थ्य तथा रसायन क्षेत्र के शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। वहीं धातु, सूचना प्रौद्योगिकी, दैनिक उपभोग वस्तु, मीडिया तथा रियल एस्टेट क्षेत्र दबाव में रहे।

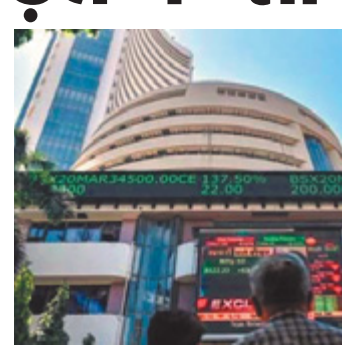

सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, एशियन पेंट्स और टेक महिंद्रा के शेयरों में उल्लेखनीय तेजी रही। दूसरी ओर पावरग्रिड, एलएंडटी, टाटा स्टील, इंफोसिस, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, टीसीएस, एक्सिस बैंक तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

स्पेशल खबर भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को बुद्धिमान और सतत उत्पादन की नई दिशा मिलेगी

ताइवान उत्कृष्टता स्वचालन प्रदर्शनी में दिखेंगी उन्नत औद्योगिक तकनीकें

बुद्धिमान एवं सतत विनिर्माण को नई दिशा दे रही

इसकी विषयवस्तु ताइवान के अनुकूलनशील समाधानों के साथ सतत विनिर्माण का निर्माण रखी गई है। इस अवसर पर ताइवान के चार प्रमुख ब्रांड एचआईडब्ल्यूआईएन, आईबीएएसई, सिन्ट्रोन्स और सिन्टेक अपनी नवीनतम औद्योगिक तकनीकों का अनावरण करेंगे। साथ ही वे यह भी बताएंगे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित और अनुकूलनशील तकनीकें किस प्रकार बुद्धिमान एवं सतत विनिर्माण को नई दिशा दे रही हैं। वर्ष 2025 में ताइवान के विनिर्माण उत्पादन ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। उत्पादन सूचकांक में 17.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका प्रमुख कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उच्च प्रदर्शन संगणना और उन्नत औद्योगिक तकनीकों की वैश्विक मांग रही। प्रदर्शनी के दौरान आगंतुक विभिन्न प्रमुख ताइवानी कंपनियों के 55 से अधिक पुरस्कार प्राप्त उत्पादों को देख सकेंगे। इनका संबंध औद्योगिक स्वचालन, बुद्धिमान विनिर्माण, औद्योगिक संगणना, संजाल व्यवस्था, गति नियंत्रण तथा सटीक अभियांत्रिकी से है। ताइवान आर्थिक मामलों के मंत्रालय के सहयोग से प्रदान किए जाने वाले ताइवान उत्कृष्टता पुरस्कार अनुसंधान, विकास, अभिकल्प, गुणवत्ता और विपणन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ताइवान निर्मित उत्पादों को सम्मानित करते हैं।

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में 22 जुलाई से आयोजित होने वाली चार दिवसीय ताइवान उत्कृष्टता स्वचालन प्रदर्शनी-2026 में ताइवान की उन्नत औद्योगिक तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसका उद्देश्य भारतीय विनिर्माताओं को भविष्य के बुद्धिमान विनिर्माण की झलक प्रदान करना है।

आयोजकों के अनुसार, स्वचालन प्रदर्शनी-2026 में ताइवान उत्कृष्टता मंडप के अंतर्गत 22 पुरस्कार विजेता ताइवानी ब्रांड अपनी नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सीमांत संगणना, रोबोटिकी, बुद्धिमान स्वचालन तथा औद्योगिक उपकरण एवं अवयवों से संबंधित अत्याधुनिक तकनीकें शामिल होंगी। इनका उद्देश्य भारतीय उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाना, परिचालन क्षमता को सुदृढ़ करना तथा अधिक टिकाऊ विनिर्माण व्यवस्था को बढ़ावा देना है।

भारत का विनिर्माण क्षेत्र तेजी से बुद्धिमान कारखानों और सतत उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष की भागीदारी का प्रमुख आकर्षण 22 जुलाई को आयोजित ताइवान उत्कृष्टता उत्पाद लोकार्पण कार्यक्रम होगा।

एयर इंडिया को डिजिटल तकनीकी अभिलेख प्रणाली की मिली मंजूरी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः एयर इंडिया को अपने वाइडबॉडी बोइंग 787 विमानों के लिए इलेक्ट्रॉनिक तकनीकी अभिलेख प्रणाली को प्राथमिक तकनीकी दस्तावेज के रूप में उपयोग करने की अनुमति मिल गई है। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी ने बताया कि इसके लिए नागर विमानन महानिदेशालय से मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। साथ ही बोइंग 777 विमानों में भी इस व्यवस्था को समानांतर रूप से लागू करने की अनुमति मिल गई है।

कंपनी के अनुसार इस पहल से परिचालन क्षमता, सुरक्षा, विश्वसनीयता और सेवा की निरंतरता को और मजबूत किया जा सकेगा। इसके साथ ही एयर इंडिया पूरे बोइंग 787 वाइडबॉडी बेड़े में इस डिजिटल तकनीकी अभिलेख प्रणाली को लागू करने वाली दुनिया की शुरुआती विमान सेवा कंपनियों में शामिल हो गई है।

बोइंग 787 विमानों में कागजरहित तकनीकी अभिलेख प्रणाली लागू करने की अनुमति